



Chetan



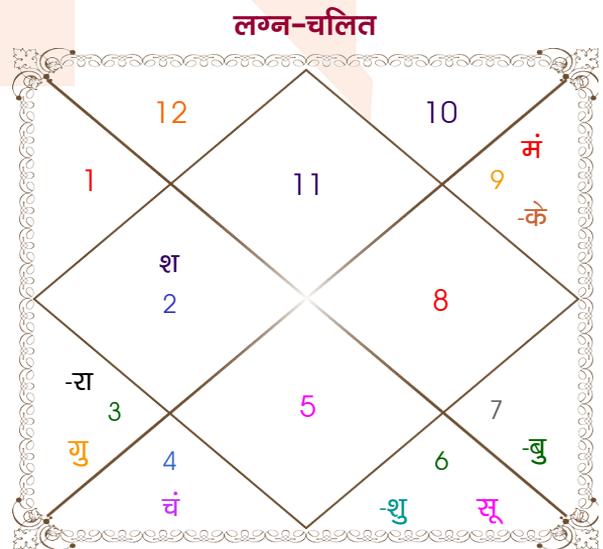
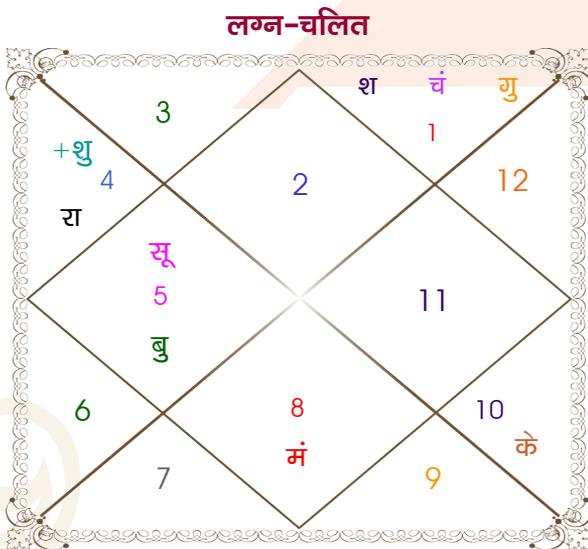
Hiteshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121246302

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
30/08/1999 :	जन्म तिथि	: 11/10/2001
सोमवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 23:35:00 :	जन्म समय	: 16:20:00 घंटे
घटी 44:42:37 :	जन्म समय(घटी)	: 26:17:45 घटी
India :	देश	: India
Vishakhapatnam :	स्थान	: Jaipur
17:42:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:53:00 उत्तर
83:24:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:41:57 :	सूर्योदय	: 06:24:10
18:12:04 :	सूर्यास्त	: 18:02:23
23:50:56 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:37

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 5मा 2दि		18:16:49	वृष	लग्न	कुंभ	20:04:09	शनि 8वर्ष 4मा 18दि	
सूर्य		13:04:30	सिंह	सूर्य	कन्या	24:18:38	बुध	
31/01/2026		01:06:01	मेष	चंद्र	कर्क	10:46:56	01/03/2010	
01/02/2032		04:15:17	वृश्चि	मंगल	धनु	25:17:14	01/03/2027	
सूर्य	21/05/2026	04:25:30	सिंह	बुध व	तुला	00:01:09	बुध	28/07/2012
चन्द्र	19/11/2026	11:05:06	मेष व	गुरु	मिथु	21:00:58	केतु	25/07/2013
मंगल	27/03/2027	27:26:57	कर्क व	शुक्र	कन्या	01:07:31	शुक्र	25/05/2016
राहु	19/02/2028	23:19:54	मेष व	शनि व	वृष	20:54:11	सूर्य	31/03/2017
गुरु	07/12/2028	18:55:13	कर्क व	राहु व	मिथु	06:14:09	चन्द्र	30/08/2018
शनि	19/11/2029	18:55:13	मक व	केतु व	धनु	06:14:09	मंगल	28/08/2019
बुध	26/09/2030	20:04:59	मक व	हर्ष व	मक	27:11:23	राहु	16/03/2022
केतु	01/02/2031	08:14:27	मक व	नेप व	मक	12:07:39	गुरु	21/06/2024
शुक्र	01/02/2032	13:55:35	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:18:03	शनि	01/03/2027



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

बीमजंद का वर्ग सिंह है तथा भ्जमीप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार बीमजंद और भ्जमीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

बीमजंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल बीमजंद कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भ्जमीप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल भ्जमीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

बेमजंद तथा भ्जमीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

